SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Junior Engineer-I — Rajasthan State Power Companies (common recruitment)

कनिष्ठ अभियंता-I राजस्थान की पाँच राज्य विद्युत कंपनियों का तकनीकी प्रवेश-पद है — राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम, तथा जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर के तीनों विद्युत वितरण निगम। राज्य में बिजली...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-power-junior-engineer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा

प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर

Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी

प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर

Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा

वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)

Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी

अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)

Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़

व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन

व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी

व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी

व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

कनिष्ठ अभियंता-I राजस्थान की पाँच राज्य विद्युत कंपनियों का तकनीकी प्रवेश-पद है — राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम, तथा जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर के तीनों विद्युत वितरण निगम। राज्य में बिजली बनाने, उसे प्रसारित करने और घर-घर तक पहुँचाने का पूरा तंत्र इन्हीं पाँच कंपनियों से चलता है, और उसकी तकनीकी देखरेख कनिष्ठ अभियंता के स्तर पर आरंभ होती है — उपकेंद्रों का संचालन, लाइनों एवं ट्रांसफ़ॉर्मरों का अनुरक्षण, नए संयोजन एवं विद्युत भार का प्रबंधन, तथा दोष ढूँढ़कर आपूर्ति बहाल करना। इस भर्ती की सबसे महत्त्वपूर्ण संरचनात्मक बात यह है कि ये पाँचों कंपनियाँ अलग-अलग भर्ती नहीं करतीं: राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम एक संयुक्त विज्ञप्ति निकालता है और उसी एक परीक्षा से पाँचों के पद भरे जाते हैं। इसलिए तैयारी एक ही होती है, और कंपनी का आवंटन बाद में तय होता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सम्बन्धित शाखा में पूर्णकालिक चार वर्षीय अभियांत्रिकी स्नातक डिग्री, नियमित विद्यार्थी के रूप में, अथवा ए.एम.आई.ई. — ध्यान दें कि यहाँ डिप्लोमा नहीं चलता
भर्ती संस्था	राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड — पाँचों राज्य विद्युत कंपनियों हेतु संयुक्त भर्ती
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष, किंतु ऊपरी सीमा कंपनी के अनुसार बदलती है — प्रसारण निगम (आर.वी.पी.एन.) के लिए 43 वर्ष तक — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	दो वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु के रूप में नियत ₹23,700 मासिक; उसके बाद राजस्थान पे मैट्रिक्स के लेवल-10 का पहला खाना — मूल वेतन ₹33,800
माँग	एक संयुक्त परीक्षा, पाँच कंपनियाँ — कंप्यूटर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र, दो घंटे

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- विद्युत तंत्र, मशीनों एवं उपकरणों में रुचि
- सार्वजनिक सेवा का ऐसा तंत्र जो चौबीसों घंटे चलता है
- क्षेत्र एवं उपकेंद्र पर रहने वाला तकनीकी काम

क्षमताएँ

- तकनीकी समझ एवं दोष ढूँढ़ने की क्षमता, प्रायः दबाव एवं समय-सीमा में
- दल का नेतृत्व एवं क्षेत्र में तालमेल
- सुरक्षा के प्रति निरंतर सतर्कता — विद्युत कार्य में एक चूक जानलेवा होती है

ज़रूरी कौशल

- अपनी शाखा का अभियांत्रिकी ज्ञान — विद्युत, यांत्रिक अथवा सिविल
- विद्युत सुरक्षा नियम एवं कार्य-अनुमति की प्रक्रिया
- माप, अभिलेख एवं उपभोक्ता-संबंधी प्रक्रियाएँ
- उपकेंद्र संचालन, लाइन एवं ट्रांसफ़ॉर्मर का अनुरक्षण
- दोष-निवारण एवं आपूर्ति बहाली
- तर्कशक्ति एवं सामान्य ज्ञान — परीक्षा के 40% भाग का आधार

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान वर्ग से भौतिकी, रसायन एवं गणित के साथ उत्तीर्ण करें, फिर सम्बन्धित शाखा में चार वर्ष की बी.ई. अथवा बी.टेक. करें — विद्युत, यांत्रिक अथवा सिविल।

2. यहाँ सबसे महत्त्वपूर्ण चेतावनी है, और वह डिप्लोमा रखने वालों के लिए है: इस भर्ती में डिप्लोमा नहीं चलता। विज्ञप्ति स्पष्ट शब्दों में "पूर्णकालिक चार वर्षीय अभियांत्रिकी स्नातक डिग्री, नियमित विद्यार्थी के रूप में" अथवा ए.एम.आई.ई. माँगती है। इस पोर्टल पर कनिष्ठ अभियंता के तीन अन्य रास्ते हैं — रेलवे, राजस्थान राज्य, एवं एस.एस.सी. — और उनमें से दो तीन वर्ष का डिप्लोमा स्वीकार करते हैं। यह वाला नहीं करता। नाम एक जैसा है, शर्त अलग है।

3. "नियमित विद्यार्थी के रूप में" शब्दों पर भी ध्यान दें। यह शर्त दूरस्थ शिक्षा अथवा अंशकालिक माध्यम से ली गई डिग्री को बाहर कर देती है। यदि आप ऐसी किसी व्यवस्था से पढ़ रहे हैं तो आवेदन से पहले यह अवश्य जाँच लें। ए.एम.आई.ई. को विकल्प के रूप में स्वीकार किया गया है, बशर्ते वह अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा पूर्णकालिक स्नातक डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हो।

4. आयु का हिसाब कंपनी के अनुसार लगाएँ, क्योंकि यही इस भर्ती की सबसे असामान्य बात है। सामान्य नियम 21 से 40 वर्ष है, गणना आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को। परंतु विज्ञप्ति बताती है कि विभिन्न निगमों में सीधी भर्ती अलग-अलग अवधि से नहीं हुई थी, इसलिए ऊपरी सीमा कंपनी के अनुसार भिन्न है: विद्युत शाखा के लिए उत्पादन एवं तीनों वितरण निगमों में 40 वर्ष, किंतु प्रसारण निगम में 43 वर्ष; सिविल शाखा के लिए प्रसारण निगम में 43 वर्ष।

5. इसका सीधा व्यावहारिक अर्थ यह है कि 41 या 42 वर्ष का अभ्यर्थी वितरण निगमों के लिए अपात्र है पर प्रसारण निगम के लिए पात्र हो सकता है — और वह भी उसी एक विज्ञप्ति में। जो अभ्यर्थी सामान्य 40 वर्ष की सीमा देखकर स्वयं को बाहर मान लेता है, वह एक खुला विकल्प चूक जाता है।

6. ऊर्जा विभाग के पोर्टल पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें। ध्यान रहे कि भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड नहीं, बल्कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम कराता है, इसलिए सूचनाएँ ऊर्जा विभाग के पोर्टल पर आती हैं।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सबसे पहले भर्ती की संरचना समझ लें, क्योंकि उससे तैयारी की योजना बदलती है। राजस्थान की पाँचों राज्य विद्युत कंपनियाँ — उत्पादन निगम, प्रसारण निगम, तथा जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर के वितरण निगम — कनिष्ठ अभियंता-I के पद अलग-अलग नहीं भरतीं। उत्पादन निगम एक संयुक्त विज्ञप्ति निकालता है और एक ही परीक्षा से पाँचों के पद भरे जाते हैं। इसलिए अभ्यर्थी एक तैयारी करता है, एक परीक्षा देता है, और कंपनी का आवंटन मेरिट एवं वरीयता से बाद में होता है — ठीक उसी तरह जैसे एस.एस.सी. एवं रेलवे की भर्तियों में होता है।
- अब वह बात जो इस भर्ती को इस पोर्टल की हर दूसरी भर्ती से अलग करती है: ऊपरी आयु-सीमा कंपनी के अनुसार भिन्न है, और वह एक ही विज्ञप्ति के भीतर है। विज्ञप्ति इसका कारण भी बताती है — विभिन्न निगमों में सीधी भर्ती अलग-अलग अवधि तक नहीं हुई थी, इसलिए क्षतिपूर्ति के रूप में कुछ में सीमा बढ़ाई गई है। 01.01.2027 को: विद्युत शाखा में उत्पादन एवं तीनों वितरण निगमों के लिए 40 वर्ष, प्रसारण निगम के लिए 43; यांत्रिक शाखा में उत्पादन निगम के लिए 40; सिविल शाखा में प्रसारण निगम के लिए 43। इस पोर्टल पर यह पाँचवाँ मामला है जहाँ एक भर्ती में एक से अधिक आयु-सीमा चलती है, और पहला जहाँ वह नियोक्ता के अनुसार बदलती है।
- योग्यता पर एक और तुलना आवश्यक है, क्योंकि इस पोर्टल पर "कनिष्ठ अभियंता" नाम के चार अलग रास्ते हैं और उनकी शर्तें एक जैसी नहीं हैं। रेलवे की भर्ती तीन वर्ष का डिप्लोमा बिना अनुभव के स्वीकार करती है। राजस्थान राज्य की कनिष्ठ अभियंता भर्ती भी डिप्लोमा पर होती है। एस.एस.सी. डिग्री लेती है, अथवा डिप्लोमा के साथ दो वर्ष का अनुभव। और यह विद्युत कंपनियों वाली भर्ती केवल चार वर्ष की पूर्णकालिक डिग्री अथवा ए.एम.आई.ई. लेती है — डिप्लोमा किसी भी शर्त पर नहीं। एक ही नाम के चार पद, चार अलग योग्यताएँ; इसलिए किसी एक के आधार पर दूसरे का अनुमान लगाना यहाँ महँगा पड़ता है।
- चयन एक कंप्यूटर आधारित संयुक्त लिखित प्रतियोगी परीक्षा से होता है, जो ऑनलाइन माध्यम से ली जाती है। प्रश्न-पत्र दो घंटे का होता है और पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) होता है। उसमें दो भाग हैं: भाग-क का भार 60% है और उसका स्तर एवं पाठ्यक्रम सम्बन्धित शाखा की अभियांत्रिकी डिग्री के स्तर का होता है; भाग-ख का भार 40% है और उसमें तर्कशक्ति एवं मानसिक योग्यता जैसे विषय आते हैं। दोनों भागों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होते हैं।

- वेतन के बारे में एक बात पहले से जान लेनी चाहिए क्योंकि वह आरंभिक वर्षों की योजना बदल देती है। चयन के बाद अभ्यर्थी को दो वर्ष के लिए "परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु" के रूप में लिया जाता है और उस पूरी अवधि में नियत मासिक पारिश्रमिक ₹23,700 मिलता है। परिवीक्षा-प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने पर वेतन राजस्थान पे मैट्रिक्स के लेवल-10 के पहले खाने पर नियत होता है, अर्थात् मूल वेतन ₹33,800, जिस पर भत्ते अलग से जुड़ते हैं। दो वर्ष की यह अवधि छोटी नहीं है और उसे आर्थिक योजना में गिनना चाहिए।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- MNIT Jaipur — B.Tech. in Electrical, Mechanical and Civil Engineering — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- Rajasthan Technical University and its affiliated government engineering colleges — the four-year degree this post requires — कोटा तथा राज्य भर में (https://www.rtu.ac.in/)
- Government engineering colleges across Rajasthan — admission on JEE Main or REAP — अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, बाँसवाड़ा एवं अन्य (https://dte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- ऊर्जा विभाग, राजस्थान — संयुक्त भर्ती की विज्ञप्तियाँ यहीं आती हैं — यही वह पोर्टल है जिस पर पाँचों कंपनियाँ हैं (https://energy.rajasthan.gov.in/)
- एन.पी.टी.ई.एल. — अभियांत्रिकी के निःशुल्क पाठ्यक्रम, आई.आई.टी. के प्राध्यापकों द्वारा — भारत सरकार (https://nptel.ac.in/)
- राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग — क्षेत्र को समझने के लिए — जयपुर, राजस्थान (https://rerc.rajasthan.gov.in/)

- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस राह की लागत चार वर्ष की अभियांत्रिकी डिग्री की लागत है, और यही इस पद की सबसे बड़ी आर्थिक बाधा भी है — क्योंकि यहाँ डिप्लोमा से काम नहीं चलता। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय अथवा एम.एन.आई.टी. से बी.टेक. का शुल्क निजी महाविद्यालय की तुलना में कई गुना कम पड़ता है और प्रवेश जे.ई.ई. मेन अथवा आर.ई.ए.पी. के अंकों पर होता है, इसलिए कक्षा 12 के बाद की मेहनत यहाँ सीधे पैसे में बदलती है। जिन परिवारों के लिए चार वर्ष की डिग्री का खर्च भारी है, उनके लिए एक व्यावहारिक बात यह है कि डिप्लोमा से रेलवे एवं राजस्थान राज्य की कनिष्ठ अभियंता भर्तियाँ खुली रहती हैं, और पार्श्व प्रवेश से डिग्री पूरी करने पर यह भर्ती भी खुल जाती है — अर्थात् क्रम बदला जा सकता है, रास्ता बंद नहीं होता। तैयारी पर अलग से बहुत खर्च आवश्यक नहीं: प्रश्न-पत्र का 60% भाग आपकी अपनी शाखा की डिग्री के स्तर का है, अर्थात् जो चार वर्ष पढ़ा है वही पूछा जाता है, और एन.पी.टी.ई.एल. पर आई.आई.टी. के पाठ्यक्रम निःशुल्क उपलब्ध हैं। एक बात आर्थिक योजना के लिए: चयन के बाद दो वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु के रूप में नियत ₹23,700 मासिक मिलते हैं, पूरा वेतनमान उसके बाद आरंभ होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

ताप एवं जल विद्युत गृह, ग्रिड उपकेंद्र, तथा वितरण निगमों के नगर एवं ग्रामीण उपखंड कार्यालय — पूरे राजस्थान में। काम उपकेंद्र, संयंत्र एवं क्षेत्र के बीच बँटा रहता है।

कार्य-संस्कृति

बिजली का तंत्र कभी बंद नहीं होता और यही इस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता है। कनिष्ठ अभियंता उस स्तर पर होता है जहाँ तकनीकी निर्णय एवं क्षेत्र का काम मिलते हैं: उपकेंद्र का संचालन, लाइन एवं ट्रांसफ़ॉर्मर की देखरेख, दोष आने पर तुरंत पहुँचकर आपूर्ति बहाल करना। पाली में काम, रात की ड्यूटी, तथा आँधी अथवा वर्षा में आपात बुलावा — ये इस नौकरी का सामान्य हिस्सा हैं। सुरक्षा इस संगठन का केंद्रीय अनुशासन है और यह औपचारिकता नहीं: उच्च दाब पर काम करते समय कार्य-अनुमति की प्रक्रिया एवं नियमों का पालन जीवन का प्रश्न है, अपना भी और दल का भी। वितरण निगमों में एक अतिरिक्त पक्ष है जिसे जान लेना चाहिए — वहाँ उपभोक्ताओं से सीधा सामना होता है, और बिजली कटने पर जो असंतोष होता है वह प्रायः सबसे पहले क्षेत्र में खड़े इसी अधिकारी तक पहुँचता है। उत्पादन एवं प्रसारण निगमों में यह पक्ष कम है और काम अधिक संयंत्र-केंद्रित रहता है। जो मिलता है वह ठोस है: तकनीकी कौशल का प्रतिदिन उपयोग, राज्य के सबसे आवश्यक तंत्र में स्थान, तथा कंपनी के भीतर अभियंता श्रेणी में आगे बढ़ने का स्पष्ट मार्ग।

कौन नौकरी देता है

- राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम (आर.वी.यू.एन.) — विद्युत उत्पादन
- जयपुर विद्युत वितरण निगम (जे.वी.वी.एन.एल.)
- राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम (आर.वी.पी.एन.) — प्रसारण; इसी की आयु-सीमा 43 वर्ष तक है
- अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम (ए.वी.वी.एन.एल. एवं जे.डी.वी.वी.एन.एल.)

माँग (2026)

राजस्थान का विद्युत तंत्र बड़ा है — पाँच कंपनियाँ, राज्य भर में फैले उपकेंद्र एवं वितरण नेटवर्क, तथा सौर ऊर्जा के विस्तार के साथ बढ़ता हुआ ग्रिड — इसलिए तकनीकी संवर्ग की आवश्यकता स्थायी है। साथ में तीन बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, भर्ती नियमित अंतराल पर नहीं आती; विज्ञप्ति स्वयं बताती है कि विभिन्न निगमों में सीधी भर्ती अलग-अलग अवधि तक नहीं हुई थी, और यही कारण है कि कहीं आयु-सीमा बढ़ानी पड़ी। अर्थात् लंबे अंतराल इस भर्ती की वास्तविकता हैं। दूसरी, योग्यता डिग्री तक सीमित होने से आवेदकों का दायरा छोटा है, पर राज्य में हर वर्ष निकलने वाले अभियांत्रिकी स्नातकों की संख्या इन पदों से कहीं अधिक है, इसलिए प्रतिस्पर्धा तीव्र रहती है। तीसरी, चयन के बाद दो वर्ष नियत पारिश्रमिक पर बीतते हैं। इसके विरुद्ध सुविधा यह है कि वही डिग्री एस.एस.सी. कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता की राज्य भर्ती, गेट एवं केंद्रीय अभियांत्रिकी सेवाओं, अन्य राज्यों की विद्युत कंपनियों तथा निजी क्षेत्र में भी चलती है। पदों की संख्या कंपनियों की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु — दो वर्ष, नियत मासिक पारिश्रमिक ₹23,700
2. कनिष्ठ अभियंता-I — परिवीक्षा पूर्ण होने पर, राजस्थान पे मैट्रिक्स लेवल-10 (मूल ₹33,800)
3. सहायक अभियंता — कंपनी के भीतर पदोन्नति द्वारा; इस पद पर सीधी भर्ती भी होती है

4 अधिशासी अभियंता एवं उससे ऊपर — कंपनी की अभियांत्रिकी शाखा का वरिष्ठ स्तर

कमाई

शुरुआत	दो वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु — नियत ₹23,700 मासिक; उसके बाद राजस्थान पे मैट्रिक्स लेवल-10, मूल वेतन ₹33,800
मध्य स्तर	₹50,000 – ₹70,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹85,000 से अधिक (भत्तों सहित, सहायक एवं अधिशासी अभियंता के स्तर पर)

दोनों आरंभिक आँकड़े अनुमान नहीं हैं — विज्ञप्ति में स्पष्ट रूप से लिखा है कि चयनित अभ्यर्थी दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु के रूप में लिए जाएँगे और उस अवधि में ₹23,700 मासिक नियत पारिश्रमिक मिलेगा, तथा परिवीक्षा-प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने पर वेतन पे मैट्रिक्स के लेवल-10 के पहले खाने पर, अर्थात् ₹33,800 मूल वेतन पर नियत होगा। इन पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं अन्य भत्ते अलग से जुड़ते हैं। दो वर्ष की परिवीक्षा-अवधि इस पद की एक वास्तविक आर्थिक शर्त है और उसे योजना में गिनना चाहिए, क्योंकि उस दौरान पूरा वेतनमान नहीं मिलता। एक सावधानी: यह लेवल-10 राजस्थान के पे मैट्रिक्स का है, केंद्र के मैट्रिक्स का नहीं — केंद्र के मैट्रिक्स का लेवल-10 ₹56,100 है, जो एक भिन्न संख्या है। स्तर की संख्या से तुलना न करें, रुपये से करें। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- एक परीक्षा से पाँच कंपनियों के पद — तैयारी एक ही, विकल्प पाँच
- प्रसारण निगम की ऊपरी आयु-सीमा 43 वर्ष, जो उन अभ्यर्थियों के लिए खुली रहती है जो 40 पार कर चुके हैं
- प्रश्न-पत्र का 60% भाग आपकी अपनी डिग्री के स्तर का — जो पढ़ा है वही पूछा जाता है
- वही डिग्री एस.एस.सी., राज्य सहायक अभियंता, गेट एवं निजी क्षेत्र में भी चलती है

चुनौतियाँ

- डिप्लोमा किसी भी शर्त पर नहीं चलता — चार वर्ष की पूर्णकालिक डिग्री अथवा ए.एम.आई.ई. ही
- "नियमित विद्यार्थी" की शर्त दूरस्थ एवं अंशकालिक डिग्री को बाहर कर देती है
- दो वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु के रूप में नियत ₹23,700 पर — पूरा वेतनमान उसके बाद
- भर्ती लंबे अंतराल पर आती है, और वितरण निगमों में उपभोक्ता-असंतोष का सामना क्षेत्र में करना पड़ता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. ऊर्जा विभाग, राजस्थान — संयुक्त भर्ती की विज्ञप्तियाँ — https://energy.rajasthan.gov.in/
2. राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग — https://rerc.rajasthan.gov.in/
3. राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय — अभियांत्रिकी डिग्री — https://www.rtu.ac.in/
4. तकनीकी शिक्षा निदेशालय, राजस्थान — https://dte.rajasthan.gov.in/
5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/
6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/
7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in